

# पुराणेतिहास

पत्र संख्या - DSCC - 11

पाठ्यक्रम विवरणम् -

नारदभक्तिसूत्रस्य परिचयप्रदानपुरस्सरं तत्र निहितविषयाणाम् अवबोधनम्।

| भाग - 1 | क्रेडिट - 1 | यूनिट - 1 | होरा - 16-20 |
|---------|-------------|-----------|--------------|
|---------|-------------|-----------|--------------|

- \* भक्तिस्वरूपनिरूपणम्।
- भक्तिशब्दस्य व्युत्पत्तिः।
  - भक्तिभेदाः।
  - भक्तिप्रतिपादका आचार्याः।
  - प्रेमभक्तेः स्वरूपम्।

| भाग - 2 | क्रेडिट - 1 | यूनिट - 2 | होरा - 16-20 |
|---------|-------------|-----------|--------------|
|---------|-------------|-----------|--------------|

- \* प्रेमभक्तेः लक्षणविवेचनम्।
- भक्तेः निरोधरूपत्वम्।
  - प्रेमभक्तेः लक्षणमुदाहरणञ्च।
  - भक्तावनन्यता।
  - भक्तेः फलरूपत्वम्।

| भाग - 3 | क्रेडिट - 1 | यूनिट - 3 | होरा - 16-20 |
|---------|-------------|-----------|--------------|
|---------|-------------|-----------|--------------|

- \* प्रेमभक्तेः साधनम्।
- भक्तौ साधनानि।
  - भक्तौ बाधकाः।
  - सत्सङ्गमहत्त्वम्।
  - मायासन्तरणोपायाः।

| भाग - 4 | क्रेडिट - 1 | यूनिट - 4 | होरा - 16-20 |
|---------|-------------|-----------|--------------|
|---------|-------------|-----------|--------------|

- \* गौणभक्तेः स्वरूपम्।
- प्रेम्णोऽनिर्वचनीयत्वम्।
  - प्रेमभक्तिमतः महत्त्वम्।
  - प्रेमभक्तेः फलम्, भक्तेः सर्वश्रेष्ठत्वञ्च।
  - भक्तेः सौलभ्यम्।
  - भक्तौ सहायकाः।

---

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - नारदभक्तिसूत्रम् (सम्पूर्णम्) चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।

सहायकग्रन्थाः -

- श्रीमद्भागवत पुराण में प्रेमतत्त्व, ईष्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली।
- माधुर्य भक्ति, न्यु भारतीय बुक् कार्पोरेशन, दिल्ली।
- प्रेम दर्शन, गीताप्रेस, गोरखपुर।

# पुराणेतिहास

पत्र संख्या - DSCC - 12

पाठ्यक्रम विवरणम् -

महाभारतस्य भीष्मपर्वणि अन्तर्गतायाः श्रीमद्भगवद्गीतायाः

परिचयपूर्वकं तत्र विद्यमानतत्त्वस्य प्रायोगिकदृष्ट्या महत्त्वप्रकाशनम्।

| भाग - 1 | क्रेडिट - 1 | यूनिट - 1 | होरा - 16-20 |
|---------|-------------|-----------|--------------|
|---------|-------------|-----------|--------------|

- \* विभूतियोगःविश्वरूपदर्शनयोगश्च।
- भगवद्विभूतिः योगशक्तिश्च।
  - अर्जुनस्तुतिः।
  - विश्वरूपदर्शनम्।
  - चतुर्भुजरूपदर्शनं तन्महत्त्वञ्च।

| भाग - 2 | क्रेडिट - 1 | यूनिट - 2 | होरा - 16-20 |
|---------|-------------|-----------|--------------|
|---------|-------------|-----------|--------------|

- \* भक्तियोगःक्षेत्रक्षेत्रज्ञविभागयोगश्च।
- भक्तियोगः।
  - क्षेत्रक्षेत्रज्ञस्वरूपम्।
  - भगवत्प्राप्तिः।
  - प्रकृतिपुरुषस्वरूपम्।

| भाग - 3 | क्रेडिट - 1 | यूनिट - 3 | होरा - 16-20 |
|---------|-------------|-----------|--------------|
|---------|-------------|-----------|--------------|

- \* गुणत्रयविभागयोगः पुरुषोत्तमयोगश्च।
- प्रकृतिगुणाः।
  - संसारवृक्षः।
  - गुणातीतस्य स्वरूपम्।
  - क्षर-अक्षर-पुरुषोत्तमानां स्वरूपम्।

| भाग - 4 | क्रेडिट - 1 | यूनिट - 4 | होरा - 16-20 |
|---------|-------------|-----------|--------------|
|---------|-------------|-----------|--------------|

- \* विविधा योगाः।
- दैवासुरसम्पद्विभागयोगः।
  - मोक्षसंन्यासयोगः।
  - श्रद्धात्रयविभागयोगः।
  - श्रीमद्भगवद्गीतायाः माहात्म्यम्।

---

**पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः -**

- \* महाभारते भीष्मपर्वणि (34-42 अध्यायाः), गीताप्रेस, गोरखपुर।

**सहायक ग्रन्थाः -**

- \* श्रीमद्भगवद्गीता (10-18 अध्यायाः), गूढार्थदीपिकाटीका, चौ. संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली।
- \* श्रीमद्भगवद्गीता, अन्वयपदच्छेदव्याख्या, गीताप्रेस, गोरखपुर।
- \* श्रीमद्भगवद्गीता (10-18 अध्यायाः), शाङ्करभाष्यसहिता, गीताप्रेस, गोरखपुर।
- \* श्रीमद्भगवद्गीता रहस्य, बालगंगाधरतिलक, चित्रशाला श्रीम प्रेस, पूना।
- \* गीता दर्शन, मीमांसा प्रकाशन, वाणी विहार, उत्तमनगर, दिल्ली।